

**EDU SERUMX COLLEGE OF COMMERCE and MANAGMENT**

**SYLLABUS**

**Subject – Hindi**

**B.Com**

यूनिट	विषय	विवरण
यूनिट – एक	1. मैथिलीशरण गुप्त परिचय	कवि मैथिलीशरण गुप्त की राष्ट्रभक्ति और भारतीय संस्कृति पर आधारित रचनाएँ, विशेष रूप से "भारत-भू" कविता।
	2. प्रेमचंद परिचय	प्रेमचंद की कहानी "बालक के खिलौने" बच्चों की मासूमियत और उनकी भावनाओं का चित्रण।
	3. व्याकरण: शब्द जोड़ी जीवी पर	शब्दों के जोड़ने, समानार्थक शब्दों और उनके सही वाक्य प्रयोग का अध्ययन।
यूनिट – दो	1. वैचारिक-भारतीय भाषाओं में राम	भारतीय भाषाओं में राम के आदर्श रूप का विवेचन।
	2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल परिचय	हिंदी आलोचना के प्रतिष्ठित लेखक, उनके साहित्यिक योगदान और "उदात्त" निबंध का अध्ययन।
	3. रामधारी सिंह दिनकर परिचय	दिनकर की कविता "भारत एक है" भारतीय संस्कृति और एकता का प्रतीक।
	4. आदिकालाचार्य – जीवन व दर्शन	आदिकाल के कवियों और संतों का जीवन और उनके धार्मिक, भक्ति दर्शन पर अध्ययन।
यूनिट – तीन	1. पर्यायवाची शब्द; विलोम शब्द	पर्यायवाची और विलोम शब्दों का अध्ययन, एक शब्द में लंबे वाक्य को संक्षेपित करना।
	2. संधि और उसके प्रकार	संधि के विभिन्न प्रकार: स्वर संधि, व्यंजन संधि, विसर्ग संधि।
	3. वाक्य शब्द – धर्म, अर्थ, भाषा, अयाचरण	धर्म, अर्थ, भाषा, अयाचरण जैसे विषयों पर वाक्य विन्यास का अध्ययन।
यूनिट - चार और पाँच	संदर्भ ग्रंथ	शेष यूनिट्स के अध्ययन के लिए संदर्भ पुस्तकें और लेखकों के नाम:
		1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल – "विचारमीमांसा, भाग 1"
		2. डॉ. बासुदेव नंदन प्रसाद – "आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना"
		3. राजेश्वर गुप्त – "हिंदी ज्ञान कोश"

## **Unit - 1**

### **मैथिलीशरण गुप्त परिचय:**

**1. कवि का जीवन:**

- मैथिलीशरण गुप्त हिंदी के महान कवि थे। वे विशेष रूप से भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभक्ति पर लिखते थे। उनकी कविताएँ भारतीय समाज को जागरूक करने और देशभक्ति को बढ़ावा देने का काम करती हैं। गुप्त जी ने अपनी कविताओं के माध्यम से लोगों में देशप्रेम और संस्कृति के प्रति सम्मान जागृत किया।

**2. प्रमुख काव्य रचनाएँ:**

- मैथिलीशरण गुप्त की कविता "भारत-भू" भारत के प्रति प्रेम और श्रद्धा को व्यक्त करती है। इस कविता में भारत की सांस्कृतिक धरोहर और महानता का वर्णन किया गया है। यह कविता भारत के स्वाभिमान और उसकी समृद्धि को दर्शाती है। गुप्त जी की कविताएँ भारतीय संस्कृति के महत्व को समझाती हैं और राष्ट्र के प्रति प्रेम को प्रकट करती हैं।

---

### **प्रेमचंद परिचय:**

**1. कवि का जीवन:**

- प्रेमचंद हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध उपन्यासकार और कहानीकार थे। उनका लेखन भारतीय समाज के विभिन्न पहलुओं, जैसे गरीबी, शोषण, और सामाजिक असमानता को उजागर करता है। प्रेमचंद ने समाज में हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई और अपने लेखन के माध्यम से समाज सुधार का प्रयास किया।

**2. "बालक के खिलौने":**

- यह कहानी प्रेमचंद की प्रसिद्ध रचना है, जिसमें बच्चों की मासूमियत और उनके मानसिक विकास को दिखाया गया है। कहानी में यह बताया गया है कि बच्चों के खिलौने केवल खेलने की चीजें नहीं होतीं, बल्कि ये उनके भावनाओं, कल्पनाओं और मानसिक स्थिति का हिस्सा होते हैं। कहानी यह सिखाती है कि बच्चों की भावनाओं को समझना और उनकी जरूरतों को पहचानना जरूरी है।

**EDU SERUMX COLLEGE OF COMMERCE and MANAGEMENT**

**व्याकरण: शब्द जोड़ी जीवी पर:**

- शब्द जोड़ी का अध्ययन: इस खंड में छात्रों को यह सिखाया जाएगा कि कैसे शब्दों को जोड़कर वाक्य बनाए जाते हैं।
- समानार्थक शब्द: दो शब्द जिनका मतलब एक ही होता है, उन्हें समानार्थक शब्द कहते हैं। जैसे, "संतुष्ट" और "खुश" समानार्थक शब्द हैं। इन्हें वाक्यों में इस तरह प्रयोग किया जा सकता है:
  - "वह संतुष्ट है" → "वह खुश है"।

इस तरह, छात्रों को समानार्थक शब्दों के प्रयोग से वाक्यों में विविधता लाने और सही तरीके से उनका उपयोग करने की कला सिखाई जाएगी।

## **Unit - 2**

### **वैचारिक-भारतीय भाषाओं में राम:**

#### **1. राम का आदर्श रूप:**

- राम को भारतीय संस्कृति में एक आदर्श व्यक्ति माना गया है। वे आदर्श राजा, आदर्श पुत्र, आदर्श भाई, और आदर्श पति के रूप में प्रस्तुत किए गए हैं।
- राम के जीवन में हमेशा धर्म, सत्य, और न्याय का पालन किया गया। उनके व्यक्तित्व से यह संदेश मिलता है कि कोई भी व्यक्ति अपने कर्तव्यों का पालन करके समाज और परिवार में अच्छा इंसान बन सकता है।
- भारतीय साहित्य में राम को एक नैतिकता और नीति का प्रतीक माना गया है। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि हमें अपनी सामाजिक और व्यक्तिगत जिंदगी में अच्छे आदर्शों का पालन करना चाहिए।

---

### **आचार्य रामचंद्र शुक्ल परिचय:**

#### **1. लेखक का जीवन:**

- आचार्य रामचंद्र शुक्ल हिंदी साहित्य के प्रमुख आलोचक थे। उनका जन्म 1884 में हुआ था।
- शुक्ल जी का लेखन भारतीय साहित्य की गहराई और गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने साहित्य के महत्व को समझाया और उसे समाज सुधार का एक शक्तिशाली साधन माना।

#### **2. "उदात्त" निबंध:**

- इस निबंध में शुक्ल जी ने साहित्य को 'उन्नत' या 'उदात्त' रूप में प्रस्तुत किया। उनका मानना था कि साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं है।
- साहित्य समाज के विचारों और संवेदनाओं को जागरूक करता है और यह समाज सुधार का प्रभावी तरीका है।

---

### **रामधारी सिंह दिनकर परिचय:**

#### **1. कवि का जीवन:**

- रामधारी सिंह दिनकर का जन्म 23 सितम्बर 1908 को हुआ था। वे हिंदी के प्रमुख राष्ट्रवादी कवि थे।
- उनकी कविताओं में भारतीय संस्कृति और राष्ट्रियता की महिमा का चित्रण किया गया है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम और देश की एकता पर कई प्रभावशाली कविताएँ लिखीं।

#### **2. "भारत एक है":**

- दिनकर जी की कविता "भारत एक है" भारत की एकता और अखंडता का प्रतीक है।

- इसमें वे बताते हैं कि भारत के विभिन्न संस्कृतियाँ, भाषाएँ, और रीति-रिवाज अलग हो सकते हैं, लेकिन देश की आत्मा एक है। यह कविता भारतीय समाज की एकता का संदेश देती है।

### **EDU SERUMX COLLEGE OF COMMERCE and MANAGEMENT**

#### **आदिकालाचार्य – जीवन व दर्शन:**

##### **1. आदिकाल के कवि और संत:**

- आदिकाल के कवियों ने मुख्य रूप से धार्मिकता, भक्ति और नीति पर आधारित काव्य रचनाएँ कीं।
- इन कवियों ने जीवन के उच्चतम आदर्शों पर जोर दिया, जैसे कि सत्य, अहिंसा, और समर्पण। उन्होंने समाज को सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

##### **2. धार्मिक और नैतिक शिक्षा:**

- आदिकाल के कवियों ने अपनी रचनाओं में धर्म और नैतिक शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान रखा।
- उनके विचार समाज को सच्चे मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते थे, जिससे समाज में एकता और अच्छाई का प्रसार हो सके।

**Unit - 3**

**पर्यायवाची शब्द:**

- पर्यायवाची शब्द वे शब्द होते हैं जिनका अर्थ एक जैसा होता है।
  - उदाहरण:
    - सूर्य और भास्कर
    - पानी और जल
  - इन शब्दों का सही इस्तेमाल वाक्यों में करना जरूरी है, ताकि भाषा में सटीकता और विविधता हो।
- 

**विलोम शब्द:**

- विलोम शब्द वे शब्द होते हैं जिनका अर्थ विपरीत होता है।
  - उदाहरण:
    - ठंडा और गर्म
    - अच्छा और बुरा
  - विलोम शब्दों का उपयोग सही वाक्य में करने से भाषा में स्पष्टता आती है।
- 

**संधि और उसके प्रकार:**

1. स्वर संधि:
  - यह तब होती है जब दो स्वर मिलकर एक नया शब्द बनाते हैं।
  - उदाहरण:
    - राम + आने = रामाने
2. व्यंजन संधि:
  - जब दो व्यंजन (अक्षर) मिलकर नया शब्द बनाते हैं।
  - उदाहरण:
    - गृह + पाठ = गृहपाठ
3. विसर्ग संधि:
  - यह तब होती है जब किसी शब्द के अंत में विसर्ग (◌:) होता है और वह अगला स्वर मिलकर एक नया शब्द बनाता है।
  - उदाहरण:
    - राम + आने = रामाने

**EDU SERUMX COLLEGE OF COMMERCE and MANAGEMENT**

वाक्य शब्द – धर्म, अर्थ, भाषा, अयाचरण:

1. धर्म:
  - इसका मतलब होता है जीवन के आदर्शों और सिद्धांतों का पालन करना। यह धार्मिक और नैतिक कर्तव्यों से जुड़ा होता है।
  - उदाहरण: "धर्म के मार्ग पर चलना जीवन का उद्देश्य है।"
2. अर्थ:
  - यह शब्द सामाजिक और आर्थिक संदर्भ से जुड़ा होता है, जैसे धन, जीवन का उद्देश्य या मूल्य।
  - उदाहरण: "शिक्षा का वास्तविक अर्थ समाज में बदलाव लाना है।"
3. भाषा:
  - यह शब्द किसी देश, समुदाय या समाज द्वारा बोले जाने वाले शब्दों के समूह को कहा जाता है।
  - उदाहरण: "हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है।"
4. अयाचरण:
  - इसका मतलब होता है अनुशासनहीनता या नैतिकता का उल्लंघन।
  - उदाहरण: "अयाचरण से समाज में विकृति उत्पन्न होती है।"

**EDU SERUMX COLLEGE OF COMMERCE and MANAGEMENT**

**UNIT – 4 & 5**

संदर्भ ग्रंथ:

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल – "विचारमीमासा, भाग 1":
  - इस किताब में शुक्ल जी ने साहित्य के उद्देश्य और उसकी महत्वता पर गहन विचार किए हैं।
  - यह पुस्तक हिंदी साहित्य की आलोचना (criticism) और मूल्यांकन (evaluation) पर आधारित है, जो छात्रों को साहित्य को समझने और उसका मूल्यांकन करने में मदद करती है।
2. डॉ. बासुदेव नंदन प्रसाद – "आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना":
  - यह किताब हिंदी व्याकरण (grammar) और रचनात्मकता (creativity) पर आधारित है।
  - यह छात्रों को हिंदी व्याकरण के नियमों को समझने और सही तरीके से भाषा का उपयोग करने में मदद करती है।
3. राजेश्वर गुप्त – "हिंदी ज्ञान कोश":
  - इस पुस्तक में हिंदी भाषा के शब्दों और उनके अर्थों का विस्तृत संग्रह (dictionary) है।
  - यह पुस्तक छात्रों को हिंदी शब्दावली (vocabulary) को बेहतर समझने और उसमें निपुणता (proficiency) प्राप्त करने में मदद करती है।



Edu SerumX